अपराध ▶ सात मोबाइल, 19 एटीएम कार्ड, दस बैंक पास बुक, लैपटॉप, एटीएम स्वाइप मशीन, वाईफाई राउटर जब्त

क्रिकेट सट्टा खिलाने के आरोप में दो गिरफ्तार

नवभारत, कटनी। आईपीएल क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले गिरोह का माधवनगर पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, लैपटॉप और बैंक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। मामले का मुख्य सरगना पुलिस के पहुंचने से पहले फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि माधवनगर क्षेत्र का निवासी मुकेश उर्फ मुक्कू पोपटानी ऑनलाइन आईपीएल सट्टा संचालित कर रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद माधवनगर, कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने रफी किदवई वार्ड स्थित दुबे कॉलोनी में दबिश दी गई। दबिश के दौरान पुलिस ने गुजरात के सूरत निवासी मुकेश उर्फ मुक्कू पोपटानी और हितेश डायाभाई खूट को लैपटॉप और मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा खिलाते गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास सट्टा संचालन का कोई वैध लाइसेंस नहीं मिला। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान सात मोबाइल, दस बैंक पासबुक, 19 एटीएम कार्ड, एक लैपटॉप एटीएम स्वाइप मशीन, जियो वाई-फाई राउटर, हिसाब-किताब रजिस्टर सहित 48 सौ नकद जब्त किया गया है। जब्त की गई सामग्री की कीमत लगभग ढाई लाख रूपए आंकी गई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मकान मालिक गगन नाकरा के कहने पर सट्टा संचालन कर रहे थे। पुलिस दबिश से पहले ही वह फरार हो गया। उसकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर प्रकरण की विवेचना शुरू कर दी है। बैंक खातों की जांच की जा रही है। गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया और नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में की गई है। कार्रवाई में माधवगनर थाना प्रभारी संजय दुबे, कोतवाली थाना प्रभारी राखी पांडेय, एसआई योगेश मिश्रा, प्रधान आरक्षक श्रीकांत सेन, आशीष श्रीवास, सुग्रीवधर बड़गैया, आरक्षक लोकेन्द्र सिंह, उमाकांत तिवारी, मणि सिंह, महिला आरक्षक आरती सैय्याम, विवोद विश्वकर्मा, आरक्षक विवेक मिश्रा और सायबर सेल टीम की भूमिका रही।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बंद रही दवा दुकानें

▶ केमिस्ट एंड ड्रगस्टि्स ऐसासिएशन ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत, कटनी। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर बुधवार को दवा बाजार बंद रहा। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक की थोक और फुटकर दवा दुकानें सुबह से ही बंद रहीं। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन ने ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में प्रदर्शन कर प्रशासन को ज्ञापन दिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष चंदू जादवानी ने कहा कि ऑनलाइन कंपनियां भारी छूट का लालच देकर दवाओं की बिक्री कर रही हैं, जिससे छोटे व्यापारियों का अहित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि निगरानी तंत्र के अभाव में ऑनलाइन माध्यम से एक्सपायरी दवाएं भी बेची जा रही हैं। एसोसिएशन ने प्रतिबंधित दवाओं की अवैध ऑनलाइन बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। हड़ताल के दौरान मरीजों की सुविधा का ध्यान रखते हुए निजी अस्पतालों के भीतर संचालित मेडिकल स्टोर्स और पीएम जन औषधि केंद्रों को बंद से मुक्त रखा गया। पदाधिकारियों ने बताया कि उनके विरोध का उद्देश्य ऑनलाइन व्यापार की नीतियों के खिलाफ है, न कि मरीजों को असुविधा पहुंचाना। संघ के सचिव सागर आहूजा ने बताया कि बिना किसी ठोस नियंत्रण के चल रही ऑनलाइन फार्मेसी से परंपरागत दवा व्यापारियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। एसोसिएशन ने मांग की है कि दवाओं की बिक्री के लिए एक स्पष्ट और सख्त नियामक व्यवस्था बनाई जाए ताकि आम जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ नहीं हो। एसोसिएशन के सदस्यों ने दोपहर में प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन दिया। ऑनलाइन दवा बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।

एक नजर में

जिला वाटरशेड विकास सलाहकार समिति पुनर्गठित

नवभारत, कटनी। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत स्वीकृत वाटरशेड विकास परियोजनाओं के कार्यक्षेत्र में शासकीय योजनाओं के अभिसरण और इनके प्लानिंग, क्रियान्वयन, मॉनिटरिंग, प्रभावों के विश्लेषण के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिला वाटरशेड विकास सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया गया है। इस नवीन गठित समिति की सदस्य सचिव वाटरशेड विकास घटनक प्रधानमंत्री सिंचाई योजना 2.0 की नोडल अधिकारी और जिला पंचायत सीईओ होंगी। साथ ही समिति में वनमंडलाधिकारी, उपसंचालक कृषि, परियोजना अधिकारी उद्यानिकी, उपसंचालक पशु चिकित्सा, सहायक संचालक मत्सोद्योग, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण, उपपंजीयक सहकारी संस्थाएं, महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग केन्द्र, जिला वाटरशेड परियोजना अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी मनरेगा, जिला परियोजना समन्वयक एनआरएलएम, वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र सहित अन्य को सदस्य बनाया गया है।

पात्रता परीक्षा के मुद्दे पर शिक्षा विभाग शिक्षकों के साथ

▶ टेट के मुद्दे पर शिक्षकों के साथ है लोकशिक्षण कार्यालय

नवभारत, कटनी। शासकीय शिक्षक संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने प्रांताध्यक्ष राकेश दुबे के नेतृत्व में आयुक्त लोकशिक्षण अभिषेक सिंह से मुलाकात कर शिक्षक पात्रता परीक्षा, राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त नवीन शिक्षक संवर्ग के सेवा अवधि गणना उनके प्रथम नियुक्ति दिनांक से, उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया में गति लाने, ट्रायबल के विद्यालयों का स्कूल शिक्षा विभाग में संविलियन, अनुकम्पा नियुक्ति के मामलों में नियमों का सरलीकरण सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। वरिष्ठता की गणना ग्रेच्युटी, अर्जित अवकाश, पेंशन जैसे मामलों में 1 जुलाई 2018 से सेवा अवधि की गणना की जा रही है, जिससे हजारों शिक्षकों को गंभीर आर्थिक और प्रशासनिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी राजेश साहू, राजेंद्र गुप्ता और नितेश नागर ने मांग की है कि नवीन शिक्षक संवर्ग के शिक्षकों की सेवा अवधि की गणना उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से करते हुए वरिष्ठता का लाभ दिया। मांगों पर चर्चा करते हुए आयुक्त लोकशिक्षण अभिषेक सिंह ने कहा कि टेट शिक्षक पात्रता परीक्षा के मामले में विभाग पूरी तरह से शिक्षकों के साथ है और शिक्षक हित में हर सम्भव प्रयास किए जाएंगे।

चोरी के आरोप में हिरासत में लिए गए व्यापारी के लापता होने से हंगामा

▶ बरही के व्यापारियों ने किया विरोध प्रदर्शन

नवभारत, कटनी। जिले के बरही में एक सराफा कारोबारी के लापता होने पर बुधवार को जबरदस्त हंगामा हुआ। व्यापारियों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए बाजार बंद कर दिया और धरने पर बैठ गए। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। परिजन के अनुसार, बरही के सराफा व्यापारी अनुराग उर्फ बंटी ताम्रकार को मंगलवार को उमरिया जिले की इंदवार पुलिस चोरी के एक मामले में पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई थी। आरोप है कि मंगलवार देर रात से ही अनुराग का कोई पता नहीं चला।

बुधवार दोपहर जब इंदवार पुलिस दोबारा अनुराग के घर पहुंची, तो व्यापारियों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। सराफा व्यापारियों ने पुलिस से सीधा सवाल किया कि यदि अनुराग को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया था, तो वह घर क्यों नहीं पहुंचा। व्यापारियों का आरोप है कि पुलिस उसे हिरासत में लेने के बाद अब गायब करने की कोशिश कर रही है। बरही सराफा एसोसिएशन के बुलावे पर पूरे बाजार की दुकानें बंद कर दी गईं, जिससे कामकाज पूरी तरह ठप हो गया। हंगामे की खबर मिलते ही बरही थाना प्रभारी अरविंद चौबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शांत कराने की कोशिश की।

व्यापारियों ने दो टूक कहा है कि जब तक अनुराग को सकुशल वापस नहीं लाया जाता, उनका आंदोलन जारी रहेगा। फिलहाल पुलिस के आला अधिकारी लापता कारोबारी की तलाश और व्यापारियों को समझाने में जुटे हैं।

माधवनगर थाना प्रभारी पर महिला ने लगाए मारपीट के आरोप

▶ पुलिस अधीक्षक से की गई शिकायत, कार्रवाई की मांग

नवभारत, कटनी। माधवनगर थाना प्रभारी पर एक महिला ने मारपीट के आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि थाना प्रभारी ने न सिर्फ उसके साथ गाली-गलौज की, बल्कि मारपीट भी की। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पीड़ित महिला शिकायत की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि 17 मई 2026 की रात का है। उसके पति गोविंद का पैसों के लेन-देन को लेकर कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। मुड़वारा स्टेशन के पास महेश, रवि, पंकज और लक्ष्मण दास नाम के लोग उसके पति के साथ मारपीट कर रहे थे। पति की सूचना पर जब महिला अपने ससुर के साथ मौके पर पहुंची, तो आरोपियों ने उसके साथ भी बदतमीजी और मारपीट शुरू कर दी। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि इसी दौरान माधवनगर थाना प्रभारी संजय दुबे पुलिस टीम के साथ वहां पहुंचे। महिला का आरोप है कि थाना प्रभारी ने मदद करने के बजाय उसके बाल पकड़े, उसे धक्का दिया और उसके साथ मारपीट की। महिला ने उन पर अश्लील गालियां देने और अपमानित करने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद पुलिस उन्हें कोतवाली थाने ले गई। आरोप है कि वहां थाना प्रभारी और एक आरक्षक ने उन्हें रातभर डराया-धमकाया। पुलिस कर्मियों ने धमकी दी कि कहीं भी इस बात की शिकायत की, तो उन्हें झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया जाएगा।

महिला ने अपनी मेडिकल रिपोर्ट के साथ एसपी से मांग की है कि घटना वाली जगह और थाने के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाए, ताकि सच सामने आ सके। शिकायत के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच मिले साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महर्षि महेश योगी यूनिवर्सिटी की नियुक्तियों में गड़बड़ी

▶ उच्च स्तर पर की गई शिकायत में लगाए गए गंभीर आरोप

नवभारत, ढीमरखेड़ा। महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय लगातार विवादों में घिरता नजर आ रहा है। विश्वविद्यालय के ही एक जिम्मेदार अधिकारी सुधाकर सिंह राजपूत द्वारा उच्च स्तर पर की गई लिखित शिकायत ने एक ऐसे संगठित खेल को उजागर किया है, जिसने सीधे तौर पर महर्षि महेश योगी के उच्च नैतिक विचारों और सपनों को दांव पर लगा दिया है। शिकायत पत्र के सबसे चौंकाने वाले और गंभीर दस्तावेज विश्वविद्यालय में शीर्ष पदों पर बैठे अधिकारियों की नियुक्तियों और उनके कार्यकाल से जुड़े हैं। विधानसभा में प्रस्तुत किए गए सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव संदीप शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ अखिलेश जैन और उपकुलसचिव बृज किशोर शुक्ला की नियुक्ति एक ही तारीख 15 मई 2007 को दर्शाई गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन तीनों अधिकारियों की वास्तविक नियुक्ति की तारीखों में लगभग 7 वर्ष का अंतर है। आरोप है कि ये कर्मचारी किसी अन्य संस्था से ऋण पर विश्वविद्यालय में लाए गए थे। जब मूल नियुक्तियों की तारीखों में ही इतना बड़ा फर्जीवाड़ा है, तो क्या इनकी निरंतरता और अब तक का पूरा सेवाकाल वैधानिक माना जा सकता है। पूरे मामले में सबसे बड़ा विधिक और आपराधिक विरोधाभास उपकुलसचिव बृज किशोर शुक्ला के बयानों से सामने आता है। न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण क्रमांक के दौरान माननीय न्यायाधीश के समक्ष प्रतिपरीक्षण में बृज किशोर शुक्ला ने स्वयं स्वीकार किया कि उनकी नियुक्ति विश्वविद्यालय में सत्र 1996 से है। न्यायालय में दिया गया बयान सच है, तो विधानसभा के पटल पर सरकार और जनता को गुमराह करते हुए इनकी नियुक्ति 15 मई 2007 क्यों बताई गई। संस्थान में नियमों को ताक पर रखकर पदों को जिस तरह बदला गया, वह किसी गंभीर साठगांठ की ओर इशारा करता है। डॉ अशोक सिंह चौहान के मूल नियुक्ति पत्र को देखा जाए, तो इन्हें मात्र एक वर्ष की अवधि के लिए असिस्टेंट रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त किया गया था। लेकिन आज दस्तावेजों में इन्हें उपकुलसचिव जैसे पद पर काबिज दिखाया जा रहा है। एक साल की अस्थाई नियुक्ति बिना किसी पारदर्शी विज्ञापन या चयन प्रक्रिया के इतने बड़े पद में कैसे तब्दील हो गई। श्रीमती नमिता पाठक कि पद को सरकारी विभागीय जांच के दस्तावेजों में सहायक कुलसचिव बताया जाता है, जबकि विश्वविद्यालय के ही वार्षिक प्रतिवेदनों में इन्हें निदेशक लिख दिया जाता है। विश्वविद्यालय प्रबंधन को खुद नहीं पता कि कौन सा अधिकारी कब, किस नियम के तहत, किस पद पर पहुंच गया। जब विश्वविद्यालय को नियमों की अनदेखी के कारण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पहले ही डिफॉल्टर घोषित किया गया है। शिकायतकर्ता ने इस पूरे मामले की जांच क्राइम ब्रांच और राजस्व विभाग के सचिव स्तर के अधिकारी से कराने और दोषियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन और शासन संस्थान की साख बचाने के लिए कितनी जल्दी क्या कार्रवाई करता है।

चौपाल लगाकर पुलिस ने ग्रामीणों को किया जागरूक

▶ ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव में किया गया आयोजन

नवभारत, कटनी। ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र गांव में पुलिस ने चौपालों लगातार जन-जागरूकता और जनसम्पर्क अभियान चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर कानून-व्यवस्था को मजबूत करना, अपराधों की रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ाना, पुलिस और आमजन के बीच विश्वास को मजबूत करना है। ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने ग्राम पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित चौपालों में ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और उनके निराकरण के लिए आवश्यक प्रयास किए गए। थाना क्षेत्र के कोठी, इटौली, बांध, ढीमरखेडा, सनकुई, मुरवारी, सिलाई, देवरी मारवाड़ी, पौड़ीखुर्द, सिमरिया, खमतरा, गूड़ा गांव में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया है। चौपाल में ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा नहीं करने संबंधी सावधानियां और साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी गई। घरेलू हिंसा और बाल विवाह रोकने, मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव की जानकारी दी गई।

सामाजिक न्याय विभाग की लोकल लेवल कमेटी में बसंत चौरसिया सदस्य नियुक्त

नवभारत, उमरियापान। जिले के प्रभारी मंत्री उदयप्रताप सिंह द्वारा सामाजिक न्याय विभाग की लोकल लेवल कमेटी में उमरियापान निवासी बसंत चौरसिया को सदस्य नियुक्त किया है। बसंत चौरसिया की नियुक्ति को क्षेत्र के लोगों ने संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान बताया है। नियुक्ति के बाद समर्थकों और शुभचिंतकों ने एक-दूसरे को बधाई देकर खुशी जाहिर की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बसंत चौरसिया के अनुभव और सामाजिक सरोकारों का लाभ अब सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं में मिलेगा। बसंत चौरसिया ने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश नेतृत्व और प्रभारी मंत्री उदयप्रताप सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे।

नवाचार ▶ पुलिस कंट्रोल रूम में स्थापित की गई मेजरमेंट कलेक्शन यूनिट, अपराधियों के फिंगर और हथेली प्रिंट के साथ कराया जा रहा रेटिना स्कैन

जिले के अपराधियों का तैयार किया जा रहा डेटा बेस, आधुनिक तकनीक से अपराध पर लगेगा अंकुश

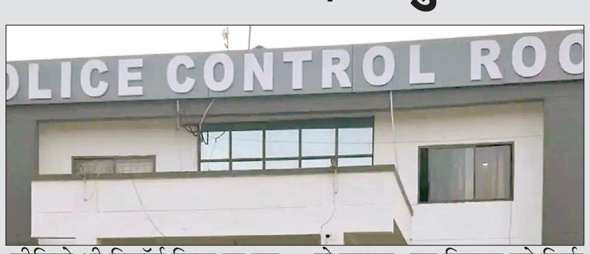

नवभारत, कटनी। जिले में बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग अब पारंपरिक जांच पद्धति की बजाय आधुनिक तकनीक का सहारा ले रही है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अपराधियों का एक डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य अपराधों में अंकुश लगाना है। वर्ष 2025 और 2026 में अपराध करने वाले बदमाशों का पूरा ब्योरा ऑनलाइन दर्ज किया जा रहा है। व्यवस्था को लागू करने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम में अत्याधुनिक मेजरमेंट कलेक्शन यूनिट मशीन स्थापित की गई है। जिले के सभी 17 थाना क्षेत्रों के आरोपियों को यूनिट में लाया जा रहा है, यहां उनकी डिजिटल प्रोफाइलिंग बनाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अब तक 16 शातिर अपराधियों का डेटा इस सिस्टम में अपलोड कर लिया गया है, जबकि जिले के करीब 1500 चिन्हित अपराधियों का डेटा संकलित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस नए डिजिटल रिकॉर्ड में अपराधियों की सिर्फ सामान्य जानकारी नहीं, बल्कि उनके शरीर और आदतों से जुड़े सूक्ष्म वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। इसमें अपराधियों के दोनों हाथों की उंगलियों के निशान, हथेलियों के प्रिंट और आंखों का रेटिना स्कैन शामिल है। साथ ही, चेहरे की बनावट की मैपिंग और शरीर के विभिन्न कोणों से तस्वीरें ली जा रही हैं। अपराधी के चलने-दौड़ने के तरीके का वीडियो भी रिकॉर्ड किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कोई शातिर अपराधी पुलिस को चकमा देने के लिए अपना नाम या हुलिया सहित चेहरा छिपा लेता है, तब भी फेशियल रिकग्निशन तकनीक और उसके चलने के अंदाज के आधार पर पुलिस उसकी असली पहचान कर लेगी। केंद्रीय एजेंसियों की भी इस पर नजर रहेगी, जिससे देश भर में अपराधियों का छिपना नामुमकिन हो जाएगा। इस सिस्टम को सिर्फ जिले या मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे देश की प्रमुख केंद्रीय जांच एजेंसियों सीबीआई, एनआईए, डीआरआई और एटीएस के नेटवर्क से भी जोड़ा जा रहा है। इससे अंतरराज्यीय अपराधियों, संगठित गिरोहों और फरार बदमाशों पर रियल-टाइम नजर रखी जा सकेगी। किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसे कंट्रोल रूम भेजकर तत्काल स्कैन किया जाएगा। जेलों में बंद विचाराधीन और सजायाफ्ता कैदियों का भी डेटाबेस तैयार किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आधुनिक तकनीक का फायदा भी होने लगा। माधवनगर थाना क्षेत्र में हुई चोरी के आरोपी को पुलिस ने अलीराजपुर से गिरफ्तार किया। वहीं शातिर बदमाश सचिन पारथी को भोपाल से पकड़ा गया। बड़वारा क्षेत्र में हुई चोरी के मामले में भी आरोपी को सतना से दबोचने में सफलता मिली। इन मामलों में फिंगरप्रिंट तकनीक ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार जिले में हर साल करीब 9850 अपराध दर्ज हो रहे हैं। भारतीय न्याय संहिता के तहत 4565 प्रकरण और लघु अधिनियमों के तहत 4863 मामले दर्ज हैं। जिले में 422 पुराने प्रकरण लंबित हैं, जबकि वर्ष 2025 के मामलों में 492 चालान अब भी लंबित हैं। वर्ष 2025 के आंकड़ों के अनुसार जिले में डकैती के 2, झपटमारी के 8, दोपहिया वाहन चोरी के 102 और अन्य वाहनों की चोरी के 17 मामले सामने आए हैं। चोरी के 122 मामले और 1099 मर्ग के मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर एमसीयू आधारित हाईटेक डिजिटल सिस्टम लागू किया जा रहा है। संगठित गिरोह और अंतरराज्यीय अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण करने में मदद मिलेगी।

तीन जिला स्तरीय समितियों का गठन

नवभारत, कटनी। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के दिशा-निर्देशों के अनुसार जिले में स्कूल शिक्षा सर्व शिक्षा अभियान के सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर तीन महत्वपूर्ण जिला स्तरीय समितियों का पुनर्गठन किया गया है। इन समितियों में जिला स्तरीय नियुक्ति समिति, जिला स्तरीय अनुदान समिति एवं जिला स्तरीय निर्माण समिति शामिल हैं। तीनों ही समितियों के अध्यक्ष जिला मिशन संचालक और कलेक्टर आशीष तिवारी होंगे। जिला स्तरीय नियुक्ति समिति के सदस्य सचिव जिला परियोजना समन्वयक होंगे। साथ ही समिति में जिला परियोजना संचालक जिला पंचायत सीईओ, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग या उप संचालक स्कूल शिक्षा, जिला पंचायत शिक्षा स्थायी समिति के अध्यक्ष, अध्यक्ष जिला पंचायत, राज्य परियोजना कार्यालय के प्रतिनिधि, शिक्षा मिशन द्वारा मनोनीत, अशासकीय सदस्य, जिला इकाई द्वारा मनोनीत अशासकीय सदस्यों में से दो सदस्य और श्रीमती अनामिका मिश्रा और राजा चौरसिया को शामिल किया गया है। जिला स्तरीय अनुदान समिति के सदस्य सचिव जिला परियोजना समन्वयक होंगे। समिति में जिला परियोजना संचालक सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग या उप संचालक स्कूल शिक्षा, प्राचार्य, जिला पंचायत की शिक्षा समिति के अध्यक्ष, राजीव गांधी शिक्षा मिशन के अशासकीय सदस्य, मनोनीत अशासकीय सदस्य सहित अन्य को शामिल किया गया है।